Deal for Purchase of Sugar

5864. DR. BAPU KALDATE:
SHRI VIRENDRA KATARIA:

With the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Transnational MMTC Ltd., the Singapore based subsidiary of MMTC Ltd. has struck deal for purchase of one lakh tonne of sugar during the year 1994-95;

(b) if so, the details thereof and the reasons therefor;

(c) whether the said Company is likely to incur heavy losses in this deal as purchase was made at a very high rate and if so, the details of the losses suffered on this account;

(d) whether it is a fact that quality of the said sugar was also very poor in comparison with the sugar of other countries and if so, what are the reasons for purchasing the said inferior quality of sugar; and

(e) whether Government propose to appoint a Committee to ascertain the reasons for this loss and if so, the details thereof and if not, what action Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) Yes, Sir. Pursuant to Government's directive to MMTC to purchase sugar on forward contracting for the Public Distribution System, MMTC Transnational Pvt. Ltd., MMTC's subsidiary in Singapore has contracted a quantity of 1.55 lakh MT of sugar during the fiscal year 1994-95 for shipment during the fiscal year 1995-96.

(c) and (d) No, Sir. (e)

Does not arise.

बासमती और गैर-बासमती चावल का निर्यात

5865. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत कुछ वर्षों से बासमती और गैर-बासमती चावल का निर्यात देश से निरंतर होता रहा है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1992-93, 1993-94 तथा 1994-95 के दौरान किन-किन देशों को, कितनी-कितनी मात्रा में, कितने-कितने मूल्य का बासमती एवं गैर-बासमती चावलों का निर्यात किया गया है;

(ग) क्या यह सच है कि वर्ष 1994-95 के दौरान देश से बासमती और गैर-बासमती चावलों के निर्यात हेतु एक मात्रा लक्ष्य के रूप में निर्धारित की गई थी;

(घ) यदि हां, तो इस तरह निर्धारित मात्रा क्या थी तथा क्या देश से इस मात्रा में चावल का निर्यात किया जा सका;

(ङ) यदि नहीं, तो क्या यह सच है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में गैर-बासमती चावल का मूल्य कम होने के कारण देश से चावल का निर्यात अलाभकारी हो गया है; और

(च) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या है?